छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2010-11

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2010-11

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	निगमन का प्रमाण पत्र	01
2.	कारोबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण पत्र	02
3.	निगम की योजनाएं	3–5
4.	निगम की पद संरचना	06
5.	वार्षिक प्रतिवेदन	7–9
6.	महालेखाकार की टिप्पणी	10–14

प्रारूप आई. आर.
FORM I.R.

निगमन का प्रमाण पत्र

Certificate of Incorporation

No. U 85320 CT 2004 NPL 16765

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त आवास विकास निगम

कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित की गई है और कम्पनी परिसीमित है।

I hereby certify that CHHATTISGARH NISHAKAT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM

is this day incorporated under the Companies Act, 1956 (No. 1 of 1956) and that the Company is limited by shares.

मेरे हस्ताक्षर से आज तारीख अठठाईस आषाढ़ शक उन्नीस सौ छब्बीस को दिया गया।

Given under my hand at GWALIOR this NINETEENTH day of JULY Two Thousand FOUR

(DR. RAJ SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
Madhya Pradesh & Chhattisgarh
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

सत्यमेव जयते

कारबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण-पत्र

Certificate for Commencement of Business

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 149 (3) के अनुसरण में

Pursuant of Section 149 (3) of the Companies Act. 1956

ता... .....का सं.....

No. 10-16765 of 2004

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त-जन वित्त एवम् विकास निगम

जो कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन तारीख 19.7.2004 को निगमित की गई थी और जिसने आज विहित प्रारूप में सम्यक् रूप से सत्यापित घोषणा फाइल कर दी है कि उक्त अधिनियम की धारा 149 (1) (क) से लेकर (घ) तक/149 (2) (क) से लेकर (ग) तक की शर्तों का अनुपालन किया गया है, कारबार प्रारम्भ करने की हकदार है ;

I hereby certify that the CHHATTISGARH NISHAKAT-JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM .

which was incorporated under the Companies Act, 1956 on the 19th day of JULY, 2004. 19XX and which has this day filed a duly verified declaration in this prescribed from that the conditions of section 149 (1) (a) to (d)/149 (2) (a) to (c) of the said Act, have been complied with is entitled to commence business.

मेरे हस्ताक्षर से यह तारीख 21-6-2005 को ग्वालियर में दिया गया ।

Give under my hand at GWALIOR

this TWENTY FIRST day of JUNE ~~One thousand nine hundred~~ and TWO THOUSAND FIVE.

कम्पनी रजिस्ट्रार Registrar of Companies मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ Madhya Pradesh & Chhattisgarh

(DR. RAU SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

छत्तीसगढ़ राज्य में शासन द्वारा रूपये 5 करोड़ की अंशपूंजी से कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अन्तर्गत लाभ न कमाने वाली कम्पनी के रूप में दिनांक 20 मई 2004 को स्थापित की गई है। यह पूर्णतः छत्तीसगढ़ शासन के स्वामित्व में है। कम्पनी के प्रबंधन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नामित निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। इसे समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत स्थापित किया गया है। छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन की चैनेलाईजिंग एजेन्सी दिनांक 06.09.2004 को घोषित किया गया हैं राज्य में दिव्यांगजनों को नेशलन हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड कार्पोरेशन के शर्तों के अधीन ऋण स्वीकृत किया जा रहा है।

- दिव्यांगजनों के लाभ हेतु आर्थिक विकास के क्रियाकलापों एवं स्वरोजगार उद्यमों को बढ़ावा देना।
- दिव्यांगजनों को स्वरोजगार उद्यमों के उचित एवं दक्ष प्रबंधन के लिए उनके उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋण देना।
- दिव्यांगजनों को व्यावसायिक पुनर्वास/स्वरोजगार के योग्य बनाने वाली व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऋण देना।
- स्वरोजगार में लगे दिव्यांगजनों को उनके द्वारा तैयार माल के विपणन के लिए सहयोग प्रदान करना।

निगम की योजनाएं :–

निगम द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को आय प्रदान करने वाली व्यापक गतिविधियों में सहायता दी जाती है, जो इस प्रकार है :–

- **सेवा/व्यापार क्षेत्र में लघु व्यवसाय लगाने के लिए :–**

बिक्री व्यापार क्रियाकलापों के लिए 5 लाख रूपए तक एवं सेवा क्षेत्र के क्रियाकलापों के लिए 10 लाख रूपए तक ऋण दिया जाता है।

- **कृषि क्रियाकलापों के लिए :–**

10 लाख रूपए तक ऋण दिव्यांग व्यक्तियों को कृषि उत्पादन, सिचाई, बागवानी, रेशम उत्पादन, कृषि कार्य सेवा, कृषि उत्पादन के विपणन आदि के लिए कृषि मशीनरी/उपकरण की खरीद के लिए ऋण सहायता दी जाती है।

- **वाहन क्रय करने के लिए :–**

10 लाख रूपए तक ऋण वाणिज्यिक किराये पर देने के उद्देश्य से ऑटो रिक्शा सहित किसी भी वाहन खरीद पर।

- **मानसिक मंदता, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचार भ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए – 10 लाख रूपए तक ऋण।**

मानसिक मंद, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचारभ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों की तरफ से उनके माता–पिता, पति/पत्नी अथवा उनके कानूनी अभिभावक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते है।

- **निपुणता एवं उद्यमी विकास कार्यक्रम के लिए :–**

  व्यक्तियों को कुशल बनाने और उद्यमी विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चैनेलाईजिंग एजेंसियों को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है।

- **लघु आद्यौगिक इकाई स्थापित करने के लिए :–**

  25 लाख रूपये तक ऋण दिव्यांगजनों को निर्माण, बढ़ई एवं उत्पादन के लिए सहायता दी जाती है।

- **सूक्ष्म वित्तीय योजना :–**

  5 लाख रूपये तक का ऋण अशासकीय संस्था को 25,000/– रूपये तक प्रति निःशक्त व्यक्ति हेतु दिया जाता है।

- **शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण :–**

  इस निगम द्वारा 10 लाख रूपये तक भारत में शिक्षा हेतु एवं 20 लाख रूपये तक विदेश में शिक्षा हेतु ऋण दिया जाता है! ऋण का भुगतान प्रशिक्षण समाप्त होने के 6 माह अथवा नौकरी मिलने पर जो भी पहले होगा।

- **मानसिक मंद दिव्यांगजनों के माता–पिता द्वारा संचालित एसोसिएशन हेतु :–**

  उक्त योजना अन्तर्गत 5 लाख रूपये तक का ऋण दिया जाता है।

पात्रता :–

1. 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्त हो।
2. आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो।

वार्षिक आय :–

1. शहरी क्षेत्र में 5 लाख रूपये प्रतिवर्ष से कम हो।
2. ग्रामीण क्षेत्र में 3 लाख रूपये प्रतिवर्ष से कम हो।
3. संबंधित शैक्षिक/तकनीकी/व्यवसायिक योग्यता और अनुभव।

ब्याज दर :–

1. 50 हजार रूपये तक – 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष
2. 50 हजार रूपये से अधिक और 5 लाख रूपये तक – 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष
3. 5 लाख रूपये से अधिक (शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण) – 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष
4. सभी ऋण 10 वर्ष के भीतर जमा किए जाएंगे।
5. दिव्यांग महिलाओं के लिए 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज पर छूट।
6. दृष्टि बाधित/श्रवण बाधित/मानसिक मंद दिव्यांग हितग्राहियों को 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट।

--000--

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2010 - 11 में दिव्यांगजनों को स्वीकृत ऋण प्रकरणों की जिलावार स्वीकृत प्रकरणों की संख्या एवं स्वीकृत राशि

क्र.	जिला	वर्ष 2010–11	
		प्रकरण	राशि (लाख में)
1	रायपुर	18	22.77
2	महासमुंद	8	9.60
3	धमतरी	6	4.02
4	दुर्ग	22	14.48
5	राजनांदगांव	17	15.83
6	कबीरधाम	2	1.85
7	कांकेर	1	0.95
8	बिलासपुर	6	5.19
9	जांजगीर	2	7.58
10	कोरबा	3	2.56
11	रायगढ़	5	5.15
12	जशपुर	14	16.72
13	सरगुजा	5	4.65
14	कोरिया	5	6.34
	योग	114	117.69

वसूली की स्थिति

2004–05 से 2010–11 तक

2004–05 से 2010–11 तक	कुल हितग्राही	वितरित ऋण राशि (लाख में)	कुल वसूल की गई राशि (लाख में)	वसूली हेतु शेष राशि (लाख में)
	639	675.13	330.02	520.75

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

निगम की पद संरचना

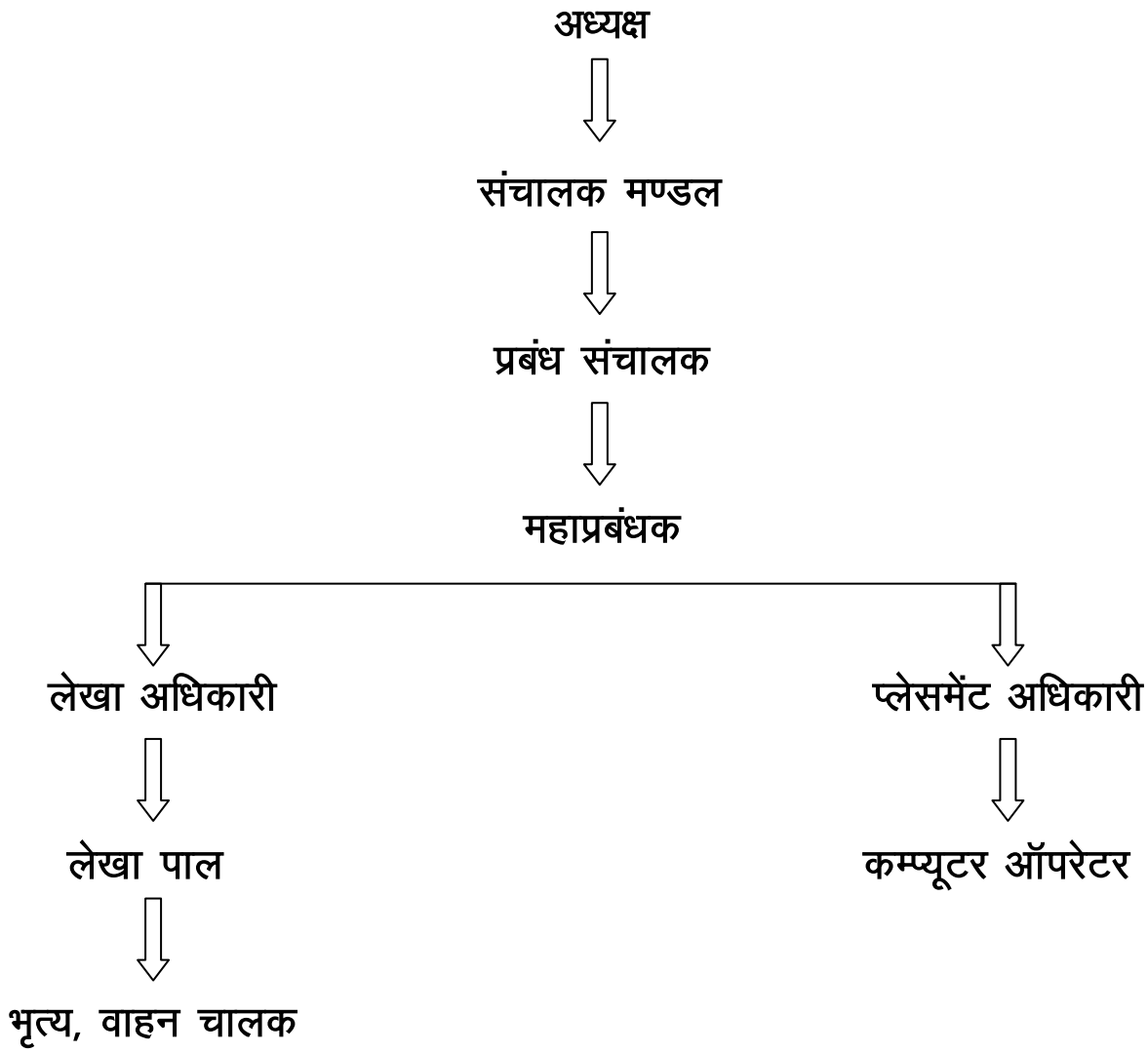

CHHATTISGARH NISHAKT-JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM

ANNUAL REPORT

2010 - 11

CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)

BALANCE SHEET AS ON 31.03.2011

PARTICULARS	SCHEDULES NO.	AS ON 31.03.2011 (In ₹)	AS ON 31.03.2010 (In ₹)
I SOURCES OF FUNDS			
A) Shareholder Funds			
Share Capital	1	50000000	50000000
Reserve & Surplus	2	58894285	51270382
B) Loan Fund			
Secured Loans		0	0
Unsecured Loans	3	75072533	55663070
Total:		183966818	156933452
II Application of Funds			
A) Fixed Assets	4		
Gross Block		1223084	1205922
Less: Depreciation		800878	678489
Net Block		422206	527433
B) Investments		0	0
C) Current Assets, Loans and Advances			
Cash & Bank Balances	5	130382380	112518616
Loans & Advances	6	60275325	48680556
		190657705	161199172
Less: Current Liabilities and Provisions			
(a) Liabilities	7	7113093	4793153
(b) Provisions		0	0
Net Current Assets		183544612	156406019
Miscellaneous Expenditure (To the extent not written off or adjusted)		0	0
Total:		183966818	156933452
Accounting Policies and notes on Account	9		

For and on behalf of the Board of Directors

Managing Director

Chairman

Place : Raipur

Date :

AS PER OUR REPORT ON EVEN DATE ATTACHED

For, JOGLEKAR MAITRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN 07747C

JOGLEKAR MAITRA & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS RAIPUR FRN : 07747C

(T. K. MISHRA)
PARTNER
M.No. : 403735

6 JUN 2014

CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2011

PARTICULARS	SCHEDULES NO.	AS ON 31.03.2011 (In ₹)	AS ON 31.03.2010 (In ₹)
INCOME			
Grant for Seminar Expenses from NHFDC		-	65,000
Interest Received from Bank		8,208,058	7,316,295
Interest Received on Loan		3,735,486	2,990,522
Establishment Grant Received		1,000,000	4,700,000
Misc. Income		-	49,919
Total (A)		12,943,544	15,121,736
EXPENDITURE			
Seminar Expenses		166,412	91,812
Administration Exp. & Payment to Employee's	8	1,650,358	908,654
Interest Paid to NHFDC		3,380,482	1,846,109
Depreciation		122,389	161,107
Total (B)		5,319,641	3,007,682
Surplus:			
Excess of Income Over Expenditure (A-B)		7,623,903	12,114,054
Less : Provision for Income Tax		-	-
Net Surplus after Tax		7,623,903	12,114,054
Surplus transferred to General Reserve		7,623,903	12,114,054
Accounting Policies and notes on Account	9		

For and on behalf of the Board of Directors

Managing Director

Chairman

Place : Raipur
Date :

AS PER OUR REPORT ON EVEN DATE

For, JOGLEKAR MAITRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN 07747C

JOGLEKAR MAITRA & CO. CA RAIPUR FRN : 07747C CHARTERED ACCOUNTANTS

(T.K. Mishra)
PARTNER
M.No. : 403735

6 JUN 2014

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) छत्तीसगढ रायपुर,
पोस्ट–मांढर, ज़ीरो पॉइन्ट, रायपुर

क्रमांक / सी.ए.डब्ल्यू / एस–2 / CNJVAN/Acs/2010-11/F-488/D-372 दिनांक 18–8–2015

प्रति,

द मैनेजिंग डायरेक्टर
छ.ग. निःशक्त जन वित एवं विकास निगम
पुराना डी.आर.डी.ए. बिल्डिंग, कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ0ग0) 492001

विषय :– Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619 (4) of the companies Act 1956 on the accounts of the Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2011.

– 00 –

महोदय / महोदया,

उपरोक्त विषय पर कार्यालय का पत्र सूचना / आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्नक :– यथापरि।

सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
वाणिज्यिक अनुभाग

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) छत्तीसगढ़, रायपुर
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur.

दिनांक :
Date : 18/02/2015

To,

The Managing Director,
Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam.
Old DRDA Building, Collectorate Campus, Raipur 492 001

Sub: Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2011.

Sir,

I am to forward herewith the Comments of the Co nptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2011. Six copies of printed annual accounts incorporating the comments of the Comptroller and Auditor General of India may be forwarded to this office after placing the same before the Annual General Meeting along with a copy of the minutes of the AGM.

Encl: As above

Yours faithfully,

Deputy Accountant General
(ES & RS)

पोस्ट – मांढ़र, जीरो पॉइन्ट, रायपुर – 493 111 (छत्तीसगढ़)
Post - Mandhar, Zero Point, Raipur - 493 111 (Chhattisgarh)
फोन/Phone : 2582082, फैक्स/Fax : 2582505, ईमेल/E-mail : agauchhattisgarh@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM, RAIPUR FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2011

The preparation of Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam for the year ended 31 March 2011 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the Company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 are responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Auditing and Assurance Standards prescribed by their professional body, viz the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 06 June 2014.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3) (b) of the Companies Act, 1956 of the Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2011. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditor and Company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matters under Section 619(4) of the Companies Act, 1956 which have come to my attention and which in my view are necessary for enabling a better understanding of the Financial Statements and the related Audit Report.

A. Comments on Profitability

Income & Expenditure Account

Expenditure

Administration Expenses & Payment to Employee's (Schedule-8)- ₹ 16.50 lakh

1. This does not include ₹ 5.16 lakh towards administration expenses which are pertaining to the financial year 2010-11 and paid in the year 2011-12. As this expenditure is related to the 2010-11 and paid in the subsequent year so suitable provision for afore said expenses should be made in the year 2010-11. This has resulted in understatement of current year expenses and Current Liabilities and Provision as well as overstatement of surplus by ₹ 5.16 lakh.

B. Comments on Financial Position

Balance Sheet

Source of Funds

(B) Loan Fund

Unsecured Loans (Schedule-3)- ₹ 750.73 lakh

2. As on 31 March 2011 Company has received loan amounting to ₹ 750.73 lakh from the National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC) which was secured by the guarantee of Chhattisgarh Government. Hence the same should have been shown as secured loan amounting to ₹ 750.73 lakh in place of unsecured loan.

II Application of Funds

C) Current Assets, Loans and Advances

Loans & Advances (Schedule – 6)

Loans to Beneficiaries (Unsecured) – ₹ 596.57 lakh

3. The Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam (Company) grants loan to beneficiaries with the security of land papers or any other type of security as produced by beneficiaries and the Company made a notaries agreement with beneficiary as well as Guarantor of loan for securing its loan amount. Thus, the above amount was secured by land documents and other security as given by beneficiary from time to time and should be shown as Secured Loan to beneficiaries by ₹ 596.57 lakh in place of unsecured.

Current Liabilities and Provisions (Schedule – 7)- ₹ 71.13 lakh

4. As per Lending Policy and Guidelines for funding of National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC), Faridabad the project cost of NHFDC Scheme is allocated among NHFDC, SCA (State Channelising Agency i.e. CNJVVN) and Promoter in their prescribed share ratio. During the scrutiny of records it was noticed that the CNJVVN has sanctioned the loan amounting to ₹ 245.62 lakh to 139 beneficiaries during the year 2010-11 (NHFDC share ₹ 224.40 lakh, CNJVVN share ₹ 10.82 lakh and Promoter's share ₹ 10.40 lakh), however, the CNJVVN has not paid its share to beneficiaries during 2010-11. As the liability for an amount of ₹ 10.82 lakh had materialized during the year 2010-11, provision for the unpaid amount was to be made. However, the Company failed to do so. This has resulted in understatement of Current Liabilities & Provision and corresponding understatement of Loan and Advances by ₹ 10.82 lakh.

C. Comments on Disclosure

Notes to the accounts

5. The Company does not have any policy of defining prudential norms for the purpose of indentifying non-performing assets and creation of provision for bad and doubtful debts. A reference is invited to loan to beneficiaries under the head loans and advances (schedule 6) wherein loan was considered as goods and doubtful. As there was no policy for identifying the non performing assets, in such a situation, basis for identifying the loan as goods and doubtful should be disclosed in the notes to the accounts.

For and on behalf of

the Comptroller and Auditor General of India

Place: Raipur

Date: 17.08.2015

Pr. Accountant General (Audit)